वृश्चिक राशि

जनवरी

स्वास्थ्य- गोचरस्थ ग्रहों एवं जन्मराशि के आधार पर गोचर का शनि वृश्चिक राशि पर सम्पूर्ण दृष्टि से देख रहा है, जिसके कारण स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। बीच-बीच में ज्वर एवं शारीरिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। नसों में विकार की सम्भावना अधिक रहेगी। कभी-कभी स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तो कभी विपरीत रहेगा। कुछ गोचरीय ग्रहों के विपरीत होने के कारण पाचन-क्रिया में भी विकार उत्पन्न होना सम्भव है। शारीरिक निर्बलता का प्रभाव अधिक रहेगा। कुछ पारिवारिक चिन्ता से तनावग्रस्त होने के कारण रोगों में वृद्धि होगी। नियम-संयम, उचित खान-पान एवं औषधियों के द्वारा रोगों में कमी आयेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति विशेष अच्छी रहेगी। आय के साधनों में दृढ़ता आयेगी। अनायास थोड़े से परिश्रम से भी अधिकाधिक धन की प्राप्ति करके आनन्द विभोर रहेंगे। किसी कार्य में बाधा नहीं आयेगी। वाहन तथा भवन सुख जैसे भौतिक सुख साधनों एवं आहार-विहार में विशेष धन व्यय करेंगे। मशीनरी तथा कम्प्यूटर के कार्यों से विशेष धन की प्राप्ति होगी। घर का परित्याग कर बाहर से धन प्राप्ति का योग बन रहा है, किन्तु कभी-कभी धन हानि होने से चिन्तित भी रहेंगे।

पारिवारिक स्थिति- पारिवारिक स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। पारिवारिक जनों में धन की कमी नहीं रहेगी। समस्त सुख-साधनों की अधिकता रहेगी, किन्तु रोगों की अधिकता बनी रहेगी। परिवार में अनुशासनप्रिय और संस्कारयुक्त रहेंगे। पारिवारिक जनों में सामंजस्य-एकता-अखण्डता की स्थिति में स्थिरता रहेगी। आकस्मिक दुर्घटनाओं में अधिक धन व्यय होगा। पारिवारिक जनों में बा-बार चोट तथा शल्य क्रिया का योग बनेगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास अच्छा नहीं रहेगा। शारीरिक एवं मानसिक विकारों के कारण अध्ययन-अध्यापन से च्युत ही रहेंगे। यदि कदाचित् अध्ययन भी करेंगे तो कण्ठस्थ करने में असमर्थ रहेंगे।

फरवरी

स्वास्थ्य- यह माह स्वास्थ्य के लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नियम-संयम, उचित खान-पान एवं औषधियों के द्वारा स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मित्र- मित्रों की दर्शन दुर्लभ रहेंगे। मित्रों की दर्शन हेतु व्याकुलता रहेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। कुछ अप्रिय घटनाओं के कारण धन की अधिक क्षति होगी। आय का मार्ग प्रशस्त रहेगा।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के क्षेत्र में सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे। सामाजिक तथा पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- मनोनुकूल तथा स्वास्थ्य वर्धक आहारों में कमी आयेगी। पराधीन आहार के सेवन से मानसिक और शारीरिक शान्ति नहीं रहेगी।

अध्ययन- यह मास अध्ययन के लिए अनुकूल नहीं रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परस्पर प्रेम में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के आचार-विचार से पारिवारिक जनों को सन्तुष्टि मिलेगी।

सन्तान- सन्तानों में उत्तम योग्यता रहेगी। शिक्षा प्राप्ति हेतु विशेष प्रयासरत रहेंगे। माता-पिता की सेवा करके आशीर्वाद ग्रहण करेंगे।

मार्च

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख सामान्य रहेगा। किसी भयावह रोग की उत्पत्ति नहीं होगी। शारीरिक स्थूलता बढ़ेगी।

मित्र- मित्रों के अर्शन से अति प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। मित्रों के स्वागत हेतु विशेष धन का व्यय करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। विविध प्रकार से धनागम से समस्त सुखों का भोग करेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में क्रमशः वृद्धि होगी और मनोबल ऊँचा रहेगा।

आहार- मनोनुकूल आहार प्राप्त होगा। मानसिक प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन कमी रहेगी। इसमें रुचि नहीं रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में कटुता नहीं रहेगी। परस्पर प्रेम में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तान सुख अनुकूल रहेगा। परीक्षा में अच्छी सफलता मिलेगी। माता-पिता के आशानुसार कार्य करेंगे।

अप्रैल

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य में कुछ कमी रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य हेतु किए गये समस्त प्रयास सफल रहेंगे।

मित्र- मित्रों से अकस्मात् मिलने का सौभाग्य प्राप्त होगा। मित्रों के समागम से अपार प्रसन्नता होगी।

आर्थिक स्थिति- सहसा आर्थिक स्थिति में प्रबलता आयेगी। आर्थिक प्रबलता के कारण भौतिक सुखों में विकास होगा।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय सौभाग्य सूचक रहेगा। अच्छे आचार-व्यवहार के कारण लोगों के मन को आकर्षित कर सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे।

आहार- आहार की स्थिति अच्छी रहेगी। मनोनुकूल आहार ग्रहण करके आत्मसन्तुष्टि होगी, स्वास्थ्य में सुधार होगा और प्रसन्नता भी होगी।

अध्ययन- अध्ययन के क्षेत्र में यह समय आंशिक रूप से अच्छा ही रहेगा। रहस्यमयी विद्याओं की तरफ आकर्षण रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। जीवन साथी से सम्बन्ध विच्छेद की स्थिति बनेगी, किन्तु अल्प समय में सुन्दर योग भी बनेगा।

सन्तान- सन्तान लोग अपने लक्ष्य की पूर्ति करने में समर्थ रहेंगे। दम्भ, पाखण्ड, झूठ से च्युत रहेंगे। सामाजिक पारिवारिक सम्मान प्राप्त करेंगे।

मई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में विकार की दशा रहेगी। वायु विकार की प्रधानता के कारण शारीरिक पीड़ा बढ़ेगी। अजीर्ण के कारण क्षुधा में रुचि रहेगी।

मित्र- मित्रों से वियोग की स्थिति बनेगी, जिससे मानसिक क्लेश में वृद्धि होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में क्रमशः सुधार की स्थिति आयेगी। मशीनरी के कार्यों से विशेष लाभ होगा।

प्रतिष्ठा- मान-सम्मान के क्षेत्र में विकास करेंगे। चारों ओर मान-सम्मान की दृष्टि से देखे जायेंगे।

आहार- स्वास्थ्य तथा ऋतु के अनुसार मनोनुकूल आहारों की प्राप्ति होगी, जिससे शारीरिक-मानसिक सुखों में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन तथा अध्यापन के क्षेत्र में यह माह अच्छा रहेगा। अध्ययन तथा अध्यापन में रुचि रहेगी और लोगों में ज्ञान बाटेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी से सामंजस्य अच्छा रहेगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वह गृहस्थ कार्यों में निपुणता दिखाएगी।

सन्तान- सन्तानों के भविष्य के लिए किए गये उपाय सफल होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी सफलता मिलेगी। धन-यश दोनों की प्राप्ति होगी।

जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख में वृद्धि होगी। रोगों की शान्ति होगी। शारीरिक भार में भी वृद्धि होगी।

मित्र- मित्र गणों की संख्या बढ़ती जायेगी। मित्रों के आगमन से अपार हर्ष होगा। उनके स्वागत में धन व्यय कर प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में प्रगति की दशा चलेगी। आर्थिक सम्पन्नता के कारण समस्त कार्य सिद्ध करने में सफल रहेंगे।

प्रतिष्ठा- यश-मान-प्रतिष्ठा की प्राप्ति से अति प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

आहार- यथोचित स्वास्थ्य तथा ऋतु के अनुसार मनोनुकूल आहारों की प्राप्ति होगी, जिससे जिससे शारीरिक-मानसिक सुखों में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में सहसा रुचि बढ़ेगी। वैदिक मन्त्रों तथा शास्त्रों का अध्ययन करके ज्ञान का प्रचार-प्रसार करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के चंचलता तथा निपुणता में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पति-पत्नी में परस्पर प्रेम बढ़ेगा। सर्वदा सामंजस्य का भाव बना रहेगा।

सन्तान- पुत्रों की स्थिति अच्छी रहेगी। परिश्रम तथा बुद्धि द्वारा विकास करेंगे। माता-पिता के कीर्ति को प्रकाशित करेंगे।

जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। धीरे-धीरे रोगों की शान्ति होगी। पाचनक्रिया अच्छी रहेगी।

मित्र- मित्रों से वियोग की स्थिति बनेगी, जिससे मानसिक क्लेश में वृद्धि होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। धन की कमी के कारण किसी कार्य में अवरोध नहीं आयेगा।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में धीरे-धीरे वृद्धि होगी। प्रतिष्ठा के लिए यह समय अच्छा है। प्रतिष्ठा को चिरस्थाई बनाने का प्रयत्न करें।

आहार- मनोनुकूल आहारों की प्राप्ति होगी, जिससे शक्ति, तेज, सुन्दरता तथा प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

अध्ययन- अध्ययन के लिए यह माह अच्छा रहेगा। अध्ययन तथा अध्यापन के प्रति झुकाव रहेगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य में निखार आयेगा। आराधना के प्रति भाव में निर्मलता आयेगी। परस्पर सामंजस्य में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों के भविष्य के लिए किए गये उपाय सफल होंगे। धर्मनिष्ठा की भावना रहेगी। अपने कार्यों के प्रति तटस्थ रहेंगे।

अगस्त

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। अंग-प्रत्यंग हृष्ट-पुष्ट रहेंगे। कफ, वात, पित्त की मात्रा समान रहेगी।

मित्र- मित्रों से अकस्मात् मिलने का सौभाग्य प्राप्त होगा। मित्रों के दर्शन से अपार प्रसन्नता होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में उत्तरोत्तर वृद्धि ही होती रहेगी। आहार-विहार के प्रति विशेष व्यय करके आनन्दित रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा तथा यश के क्षेत्र में वृद्धि रहेगी। लोगों का उत्तम सहयोग मिलेगा। नारियों के सानिध्य में प्रतिष्ठा के पात्र बनेंगे।

आहार- भोजन की स्थिति पराधीन ही रहेगी। मनोनुकूल आहार न मिलने पर भी विवशता वश उसे ग्रहण करेंगे, जिससे मानसिक क्लेश की उत्पत्ति होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में निपुणता दिखाकर लोगों के मन को आकर्षित करने में समर्थ रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी की मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। आपस में सामंजस्य बनाकर प्रसन्नता की प्राप्ति होगी।

सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख उत्तम रहेगा। शारीरिक क्षीणता का नाश होगा और सबलता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों के आकस्मिक आगमन से प्रसन्नता होगी और उनसे लाभ भी होगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। रोगों तथा दुर्घटनाओं में धन अधिक व्यय होगा। धन के प्रति चिन्ता रहेगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अच्छा रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- मादक आहार का विशेष सेवन करेंगे, जिससे पाचन-क्रिया प्रभावित होगी। मनोनुकूल आहार मिलने में सन्देह रहेगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के प्रति सतत् चिन्तनशील रहेंगे। लोगों में उपदेश देकर आकर्षित करने में सक्षम रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ निर्बल रहेगा। आरोग्यता हेतु विभिन्न चिकित्सकों से परामर्श लेंगे, किन्तु सफलता विलम्ब से मिलेगी।

सन्तान- सन्तान पक्ष से उत्तम सुख की प्राप्त होगी। सन्तानों द्वारा आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी और सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

अक्टूबर

स्वास्थ्य- गोचर के गुरु द्वारा दृष्टिपात करने से स्वास्थ्य सुख में सुधार की स्थिति आयेगी। रोगों का शमन शीघ्र ही होगा। शारीरिक सम्पूर्ण तत्वों की पूर्ति होगी।

मित्र- मित्रों से मैत्री भाव में प्रगाढ़ता आयेगी। मित्रों को आर्थिक योगदान देना पड़ेगा। परस्पर प्रेम में स्थिरता आयेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति उन्नतिशील रहेगी। अर्थागम द्वारा नवीन कार्यों की पूर्ति होगी। समस्त भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय अनुकूल रहेगा। सुकृत्य तथा सदाचार द्वारा लोगों में सादर दृष्टि से देखे जायेंगे।

आहार- आहार में थोड़ी प्रतिकूलता आयेगी। पराधीन आहार होने के कारण मनोनुकूल आहार न मिलने पर भी विवशता वश उसे ग्रहण करेंगे, जिससे मानसिक क्लेश की उत्पत्ति होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र झुकाव बढ़ेगा। रहस्यमयी विद्या के साथ-साथ साधना रूपी गन्थों के अध्ययन में विशेष रुचि रखेंगे और इच्छित प्रयोजनों की पूर्ति करके प्रसन्न रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन में प्रगाढ़ता आयेगी।

सन्तान- सन्तानों के मनोनुकूल कार्य होंगे। इच्छित अर्थों की प्राप्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

नवम्बर

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। शारीरिक रोगों और क्लेशों का समूल क्षय होगा। शारीरिक सबलता और कान्ति में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों के स्नेह तथा यश में वृद्धि प्राप्त करके और उनके साथ सत्संग करके प्रसन्न रहेंगे। उनके साथ आहार-विहार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सहसा वृद्धि होगी। आय के विविध स्रोतों से लाभ प्राप्त करेंगे।

प्रतिष्ठा- समाज में उत्तम मान-यश-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देश-विदेश सर्वत्र सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आहार- मनोनुकूल आहार प्राप्त करेंगे। विविध आहार तथा मिष्ठान्नों का सेवन करके सुख की अनुभूति करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन में निपुणता दिखायेंगे। शास्त्रों-पुराणों का अध्ययन करके ज्ञानार्जन में लगे रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। कमर तथा पेट दर्द की सम्भावना रहेगी। परस्पर प्रेम बना रहेगा।

सन्तान- सन्तानों की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। माता-पिता के अनुकूल कार्य करेंगे।

दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अच्छा रहेगा। रोगों का नाश होगा। शारीरिक दृढ़ता आयेगी।

मित्र- मित्रों के घर आहार-विहार करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। मित्रों की सहायता से आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी और सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता आयेगी। धनबल के द्वारा मन में सोचे सभी कार्यों की पूर्ति होगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा के लिए समय उत्तम रहेगा। अपने त्याग, तपस्या तथा परोपकार के द्वारा सतत् प्रतिष्ठा के भागी बनेंगे। प्रतिष्ठा को चिरस्थाई रखें, जीवन में आनन्द पायेंगे।

आहार- मनोनुकूल आहार प्राप्ति के कारण शारीरिक तथा मानसिक प्रसन्नता तथा विकास में वृद्धि सम्भव है।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह माह अति सौभाग्यवर्धक है। स्मरण शक्ति की प्रबलता के कारण अध्ययन-अध्यापन में अच्छी सफलता मिलेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। जीवनसाथी के क्रिया-कलापों से अति प्रसन्नता होगी। सामंजस्य बना रहेगा।

सन्तान- सन्तानों के भाग्य, परिश्रम, बुद्धि तथा सम्मान में वृद्धि की पूरी सम्भावना रहेगी। अपने परिश्रम तथा योग्यता एवं बुद्धि की प्रखरता के बल पर विकास करेंगे।

सावधानियाँ एवं उपाय

१. वाहन दुर्घटना से अपनी रक्षा करें। विद्युत व मशीनरी कार्यों में सावधानी रखें।

२. पर नारी से सम्बन्ध न रखें और न ही दूसरों को ऋण दें।

३. बार-बार घर का क्रय-विक्रय न करें।

शनि की शान्ति के लिए- १. प्रतिदिन स्नानादि से विवृत्त होकर नियम पूर्वक ‘‘ऊँ खां खीं खौं सः शनैश्चराय नमः’’ मन्त्र का जप कम से एक माला अवश्य करें तथा शनिवार के दिन इसी मन्त्र से शमी की लकड़ी से १०८ बार हवन करें।

२. शनिवार के दिन सुन्दर काण्ड का पाठ करें तथा हनुमान चालीसा का भी ११ पाठ अवश्य करें।

३. काले घोड़े के नाल अथवा नाव के कील की अँगूठी शनि मंत्र से अभिमंत्रित कर शनिवार के दिन मध्यमा अँगुली में अवश्य धारण करें।

४. शनिवार अथवा मंगलवार के दिन हनुमान जी का दर्शन करें और तिल के तेल के साथ हनुमान जी दोनों पैरों में सिन्दूर का लेप करें, शनि की अनुकूलता प्राप्त होगी।

राहु की शान्ति के लिए- १. ‘‘ऊँ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः’’ मन्त्र का जप प्रतिदिन १ माला नियमित रूप से अवश्य करें और बुधवार के दिन सूर्यास्त के बाद दूर्वा से १०८ बार हवन करें।

२. काले कुत्ते को यथाशक्ति भोजन दें और किसी काले कुत्ते को हानि न पहुँचाएं।